aglasem.com

FOR MAHARASHTRA BOARD (MSBSHSE) CLASS 9 EXAM PREPARATION

Maharashtra Board (MSBSHSE) Class 9 2026 Question Paper · Hindi (Composite)

EXAM
Maharashtra Board (MSBSHSE) Class 9

YEAR
2026

TYPE
Question Paper

SUBJECT
Hindi (Composite)

इयत्ता: तुकडी:
हजेरी क्र.:
दिनांक:

द्वितीय सत्र परीक्षा

२०२५-२६

हिंदी (संयुक्त) कृतिपत्रिका

माध्यम- मराठी

पेपर नं. ३९

समय : २.००घंटे

अंक : ४०

पृष्ठ संख्या : ५

सूचनाएँ - १) शुद्ध भाषा एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।
२) सुचना के अनुसार गद्य-पद्य की आकलन कृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित हैं।
३) सभी आकृतियों के लिए पेन काही प्रयोग करे।
४) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नही हैं।

विभाग १ : गदय विभाग

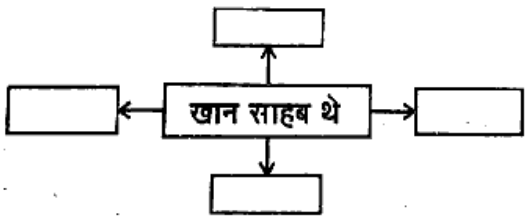
प्र. १ अ) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

बचपन में कोर्स से बाहर की कोई पुस्तक पढ़ने की आदत नहीं थी। कोई पत्र-पत्रिका या किताब पढ़ने को मिल नहीं पाती थी। गुरु जी के डर से पाठ्यक्रम की कविताएँ मैं रट लिया करता था। कभी अन्य कुछ पढ़ने की इच्छा हुई तो अपने से बड़ी कक्षा के बच्चों की पुस्तकें पलट लिया करता था। पिता जी महीने में एक-दो पत्रिका या किताब अवश्य खरीद लाते थे किंतु वह उनके ही स्तर की हुआ करती थी। इसे पलटने की हमें मनाही हुआ करती थी। अपने बचपन में तीव्र इच्छा होते हुए भी कोई बालपत्रिका या बच्चों की किताब पढ़ने का सौभाग्य मुझे नहीं मिला।

आठवीं पास करके जब नौवीं कक्षा में भरती होने के लिए मुझे गाँव से दूर एक छोटे शहर भेजने का निश्चय किया गया तो मेरी खुशी का पारावार न रहा। नई जगह, नए लोग, नए साथी, नया वातावरण, घर के अनुशासन से मुक्त, अपने ऊपर एक जिम्मेदारी का एहसास, स्वयं खाना बनाना, खाना, अपने बहुत से काम खुद करने की शुरुआत-इन बातों का चिंतन भीतर-ही-भीतर आह्लादित कर देता था। माँ, दादी और पड़ोस के बड़ों की बहुत सी नसीहतों और हिदायतों, के बाद मैं पहली बार शहर पढ़ने गया। मेरे साथ गाँव के दो साथी और थे। हम तीनों ने एक साथ कमरा लिया और साथ-साथ रहने लगे।

हमारे ठीक सामने तीन अध्यापक रहते थे-पुरोहित जी जो हमें हिंदी पढ़ाते थे; खान साहब बहुत विद्वान और संवेदनशील अध्यापक थे। यों वह भूगोल के अध्यापक थे किंतु सस्कृत छोड़कर वे हमें सारे विषय पढ़ाया करते थे। तीसरे अध्यापक विश्वकर्मा जी थे जो हमें जीव-विज्ञान पढ़ाया करते थे।

१) संजाल पूर्ण करो। (२)



२) १) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए। (१)

i) शहर x ii) बचपन x

२) परिच्छेद में से शब्द-युग्म ढूँढकर लिखिएँ। (१)

i) ii)

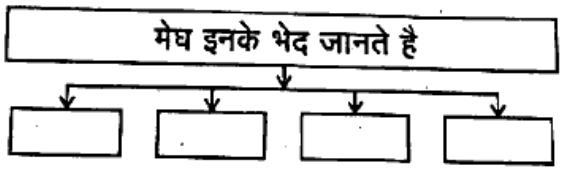
३) स्वमत

'पुस्तक प्रेम' इस विषयपर २५ से ३० शब्दों में अपने विचार से लिखिए ।

आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

सागर – मेरे हृदय में मोती भरे हैं ।
मेघ – हाँ, वे ही मोती जिनके कारण हैं-मेरी बूँदें ।
सागर – हाँ, हाँ, वही वारि जो मुझसे हरण किया जाता है । चोरी का गर्व ।
मेघ – हाँ, हाँ वही जिसको मुझसे पाकर बरसात की उमड़ी नदियाँ तुम्हें भरती हैं ।
सागर – बहुत ठीक । क्या आठ महीने नदियाँ मुझे कर नहीं देंगी ?
मेघ – (मुसकराया) अच्छी याद दिलाई । मेरा बहुत-सा दान वे पृथ्वी के पास धरोहर रख छोड़ती हैं, उसी से कर देने की निरंतरता कायम रहती है ।
सागर – वाष्पमय शरीर ! क्या बढ़-बढ़कर बातें करता है अंत को तुझे नीचे गिरकर मिट्टी में मिलना पड़ेगा ।
मेघ – खार की खान ! संसार भर के दुष्ट ! पृथ्वी के विकार तुझे मैं शुद्ध और मिष्ट बनाकर उच्चतम स्थान देता हूँ । फिर तुझे अमृतवारि धारा से तृप्त और शीतल करता हूँ । उसी का यह फल है ।
सागर – हाँ, हाँ, दूसरे की करतूत पर गर्व । सूर्य का यश अपने पल्ले ।
मेघ – (अट्टहास करता है) क्यों मैं चार महीने सूर्य को विश्राम जो देता हूँ । वह उसी के विनियम में यह करता है । उसका यह कर्म मेरी संपत्ति है । वह तो बदले में केवल विश्राम का भागी है ।
सागर – और मैं जो उसे रोज विश्राम देता हूँ ।
मेघ – उसके बदले तो वह तेरा जल शोषण करता है ।
सागर – चाहे कुछ भी हो जाए, मैं निज व्रत नहीं छोड़ता मैं सदैव अपना कर्म करता हूँ और अन्यों से करवाता भी हूँ ।
मेघ – (इठलाकर) धन्य रे व्रती, मानो श्रद्धापूर्वक तू सूर्य को वह दान देता है । क्या तेरा जल वह हठात नहीं हरता ?
सागर – (गंभीरता से) और वाड़व जो मुझे नित्य जलाया करता है, तो भी मैं उसे छाती से लगाएं रहता हूँ। तनिक उसपर तो ध्यान दो ।

१) संजाल पूर्ण करो । (२)



२) उचित जोडियाँ मिलाइएँ । (१)

'अ' विभाग	'ब' विभाग
१) दूसरे की करतूत पर गर्व करनेवाला	i) वाडव
२) सागर को को नित्य जलानेवाला	ii) सागर
	iii) मेघ

३) शब्द संपदा

i) निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए । (१)

१) मोती = [illegible] २) सूर्य = [illegible]

४) स्वमत (२)

'अगर सागर न होता तो .....' इस विषय पर अपने २५ से ३० शब्दों में लिखिए ।

विभाग २ पदय

प्र. २ अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **(४)**

यह है न पसीने की धारा,
यह गंगा की है धवल धार।
हे ग्रामदेवता नमस्कार !

जो है गतिशील सभी ऋतु में
गर्मी, वर्षा हो या कि ठंड,
जग को देते हो पुरस्कार
देकर अपने को कठिन दंड।

झोंपड़ी झुकाकर तुम अपनी
ऊँचे करते हो राजद्वार।
हे ग्रामदेवता नमस्कार !

१) आकलन

एक-दो शब्दों में उत्तर लिखिए। **(२)**

१) यह गंगा की ऐसी धारा है -
२) किसान सभी ऋतुओं में रहते हैं -
३) किसान अपनी यह झुकाता है -
४) किसान जग को यह देता है -

२) पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का भावार्थ २५ से ३० शब्दों में लिखिए। **(२)**

आ) निम्नलिखित पठित पदयांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

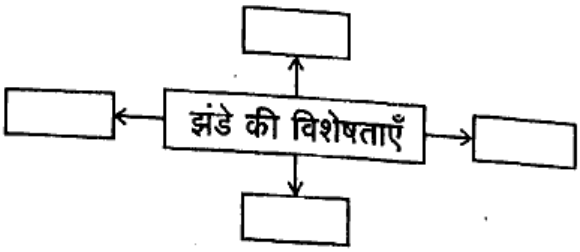
ऊँचा सदा रहेगा, ऊँचा सदा रहेगा।
हिंद देश का प्यारा झंडा ऊँचा सदा रहेगा।
झंडा ऊँचा सदा रहेगा ।।

तूफानों से और बादलों से भी नहीं झुकेगा,
नहीं झुकेगा, नहीं झुकेगा झंडा ऊँचा सदा रहेगा।
झंडा ऊँचा सदा रहेगा ।।

केसरिया बल भरने वाला, सादा है सच्चाई,
हरा रंग है हरी हमारी, धरती की अंगड़ाई।
और चक्र कहता कि हमारा, कदम कभी न रूकेगा।
झंडा ऊँचा सदा रहेगा ।।

शान हमारी ये झंडा है, ये अरमान हमारा,
ये बल पौरूष है सदियों का, ये बलिदान हमारा।
जीवन-दीप-बनेगा, ये अंधियारा दूर करेगा।
झंडा ऊँचा सदा रहेगा ।।

१) संजाल पूर्ण कीजिए। (२)



२) कविता की पंक्तियों को उचित क्रमानुसार लिखकर प्रवाह तक्ता पूर्ण कीजिए। (२)

१) हरा रंग है हरी हमारी धरती की अंगड़ाई।
२) हिंद देश का प्यारा झंडा ऊँचा सदा रहेगा।
३) नहीं झुकेगा, नही झुकेगा झंडा ऊँचा सदा रहेगा।
४) तुफानों से और बादलों से भी नहीं झुकेगा।

विभाग - ३ भाषा अध्ययन / व्याकरण

प्र. ३ निम्नलिखित सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

१) मानक वर्तनी के अनुसार सही शब्द छाँटकर लिखिए। (१)

i) विद्यालय, विधालय, विद्यालय, विध्यालय
ii) अंगूठी, अँगुठी, अंगुठी, अँगूठी

२) निम्नलखित अव्ययों में से किसी एक 'अव्यय' का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए। (१)

i) रोज ii) आज

३) संधि कीजिए। (सिर्फ-१) (१)

	संधि शब्द	संधिविच्छेद	संधिभेद
i)	हिमालय	हिम + आलय	----
ii)	[illegible]	नि: + कपट	विसर्ग संधि

४) निम्नलिखित मुहावरोंका अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए। (सिर्फ-१) (१)

i) चंपत होना
ii) अपनी खिचड़ी अलग पकाना

अथवा

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए।
(चिकना घडा, प्राण सूख जाना)
सामने चीते को देखकर मैं भयभीत हो गया।

५) निम्नलिखित वाक्यों का कालभेद पहचानकर लिखिए। (२)

i) मैं बरतन माँजूँगा ii) मेरा शरीर चरबी का महासागर बना जा रहा है।

६) i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधारपर भेद पहचानकर लिखिए। (१)

i) बिनु ने लिखा था कि वह रायपूर जायेगी।

ii) निम्नलिखित वाक्य को अर्थ के आधार पर दी गई सूचना के अनुसार परिवर्तन करके लिखिए। (१)

i) सिद्धार्थ पढ़ नहीं रहा है। (विधानार्थक)

PTO

aglasem.com For more Question Papers, Sample Papers, Notes & Syllabus visit aglasem.com

विभाग – ४ रचना विभाग

पेपर नं. ३९

प्र. ४ अ) निम्नलिखित सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

१) निम्नलिखित जानकारी के आधारपर पत्रलेखन कीजिए । (४)

A/३१२, हनुमान नगर, नाशिक से अजय शर्मा अपने जन्मदिन पर अपने मित्र सुशील शिंदे द्वारा भेजे गए उपहार के लिए धन्यवाद भेजता है ।

अथवा

१०२, तुलसीबाग, नाशिक–४११००२ से अनंत चौधरी, कक्षा–सातवी में पढ़नेवाले अपने भाई अरूण चौधरी की नवंबर महीने की फीज दिसंबर में देने के संबंध में प्रधानाध्यापक, विवेकानंद विद्यालय, लक्ष्मी रोड, नाशिक–४११००३ को पत्र लिखता है ।

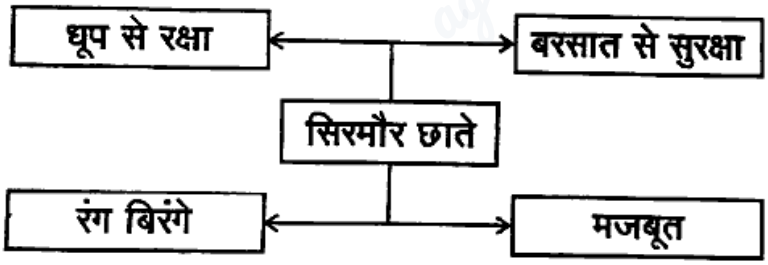
२) कहानी लेखन (४)

निम्नलिखित दिए गए मुद्दों के आधारपर ६० से ७० शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा कहानी से मिलनेवाली सीख लिखिए ।

मुद्दे : गाँव में स्वच्छता का अभाव होना ..... अस्वच्छता के कारण हुई बीमारियाँ ..... नवयुवक दल द्वारा अभियान चलाना ..... गाँव स्वच्छ और स्वस्थ होना ..... गाँव को स्वच्छ ग्राम पुरस्कार मिलना ..... स्वच्छता का उपक्रम दूसरे गाँवोंतक फैलान ..... शीर्षक ..... सीख ।

अथवा

निम्नलिखित जानकारी के आधारपर ५० से ६० शब्दों में विज्ञापन का नमूना तैयार कीजिए ।



आ) निबंध लेखन: (४)

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर ६० से ७० शब्दों में निबंध लिखिए ।

१) मेरे गाँव का मेला (यात्रा)

२) यदि संगणक न होता...

३) पुस्तक कीं आत्मकथा

https://www.pyqonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10₹ to 40₹
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये से 40 रुपये तक पायें,
Paytm or Google Pay से

(५)